24 न्यूज अपडेट

ई-न्यूज

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, रविवार 25 जनवरी 2026

वर्ष 2 अंक 261

पुलिस बैंड पर देशभक्ति तरानों ने जगाया जोश



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। इतिहास जब सुरों में बोलता है, तो असर सीधे दिल तक जाता है। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 गौरवपूर्ण वर्ष पूरे होने पर उदयपुर पुलिस ने शहर को सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक अनुभव दिया। जगदीश चौक से लेकर दूध तलाई तक आज शाम पुलिस बैंड की देशभक्ति धुनों ने माहौल को राष्ट्रभाव से सराबोर कर दिया। पुलिस मुख्यालय राजस्थान, जयपुर के निर्देश और जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के नेतृत्व में चल रहे इस विशेष अभियान के तहत पुलिस बैंड ने शाम 4 बजे जगदीश चौक और 5.30 बजे दूध तलाई पर वंदे मातरम्, राष्ट्रगान और अन्य प्रेरक राष्ट्रभक्ति गीतों का सजीव वादन किया। धुनें जैसे ही फिज़ा में घुलीं, राह चलते लोग ठिठक गए, पर्यटक रुक गए और मोबाइल कैमरे अपने-आप चालू हो गए। बच्चों से लेकर बुज़ुर्गों तक, हर चेहरे पर गर्व साफ झलक रहा था। द्वितीय चरण का समापन कार्यक्रम 26 जनवरी 2026, शाम 5 बजे फतहसागर की पाल पर आयोजित किया जाएगा, जहां पुलिस बैंड एक बार फिर राष्ट्रभक्ति की धुनों से गणतंत्र दिवस की संध्या को यादगार बनाएगा।

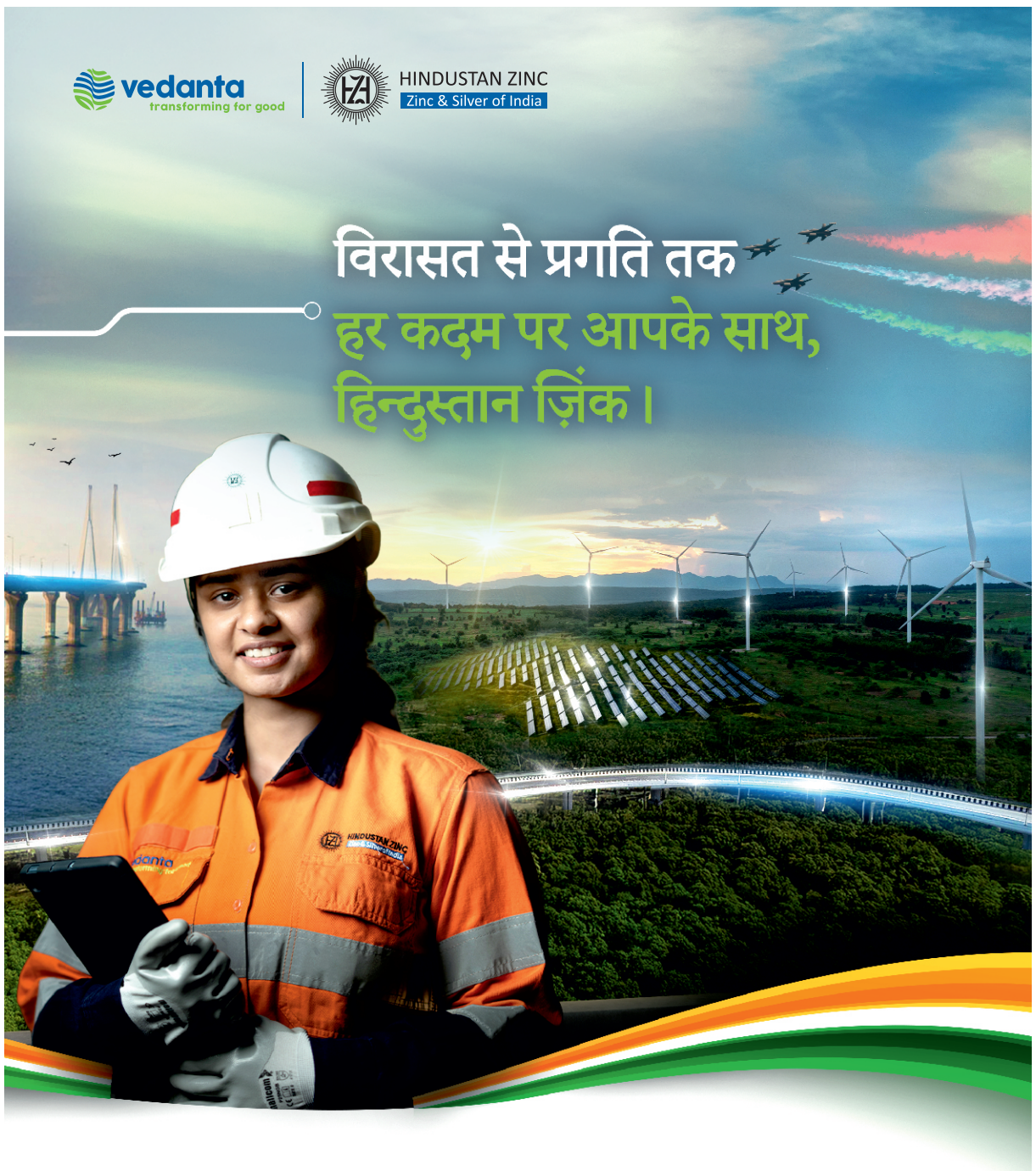
उदयपुर। इतिहास जब सुरों में बोलता है, तो असर सीधे दिल तक जाता है। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 गौरवपूर्ण वर्ष पूरे होने पर उदयपुर पुलिस ने शहर को सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक अनुभव दिया। जगदीश चौक से लेकर दूध तलाई तक आज शाम पुलिस बैंड की देशभक्ति धुनों ने माहौल को राष्ट्रभाव से सराबोर कर दिया। पुलिस मुख्यालय राजस्थान, जयपुर के निर्देश और जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के नेतृत्व में चल रहे इस विशेष अभियान के तहत पुलिस बैंड ने शाम 4 बजे जगदीश चौक और 5.30 बजे दूध तलाई पर वंदे मातरम्, राष्ट्रगान और अन्य प्रेरक राष्ट्रभक्ति गीतों का सजीव वादन किया। धुनें जैसे ही फिज़ा में घुलीं, राह चलते लोग ठिठक गए, पर्यटक रुक गए और मोबाइल कैमरे अपने-आप चालू हो गए। बच्चों से लेकर बुज़ुर्गों तक, हर चेहरे पर गर्व साफ झलक रहा था। द्वितीय चरण का समापन कार्यक्रम 26 जनवरी 2026, शाम 5 बजे फतहसागर की पाल पर आयोजित किया जाएगा, जहां पुलिस बैंड एक बार फिर राष्ट्रभक्ति की धुनों से गणतंत्र दिवस की संध्या को यादगार बनाएगा।

पद्म पुरस्कार 2026 का ऐलान, 131 हस्तियां होंगी सम्मानित

24 न्यूज अपडेट



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वर्ष 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की है। इनमें पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री शामिल हैं। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र सहित कुल 5 हस्तियों को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा। वहीं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत शिबु सोरेन और प्रसिद्ध गायिका अलका याग्निक समेत 13 हस्तियों को पद्म भूषण प्रदान किया जाएगा। खेल, कला, साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए क्रिकेटर रोहित शर्मा, महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार, हॉकी खिलाड़ी सविता पूनिया सहित 113 हस्तियों को पद्मश्री से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। इस सूची में 19 महिलाएं, 6 विदेशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई श्रेणी की हस्तियां शामिल हैं, जबकि 16 पुरस्कार मरणोपरांत दिए जाएंगे। राजस्थान के डीग जिले के लोक कलाकार गफरुद्दीन मेवाती को पारंपरिक लोकगायन 'पांडुन का कड़ा' के संरक्षण और प्रचार के लिए पद्मश्री से नवाजा जाएगा। वहीं कर्नाटक के अंके गौड़ा, जिन्होंने अपना घर बेचकर 'पुस्तक माने' लाइब्रेरी स्थापित की और 20 लाख से अधिक दुर्लभ पुस्तकों का संग्रह किया, उन्हें साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान मिलेगा।



ज़िंक बनाये आपका आज सुरक्षित और मजबूत रखे देश का कल।

विश्व का सबसे बड़ा एकीकृत ज़िंक और शीर्ष पाँच चांदी उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान ज़िंक इस गणतंत्र दिवस पर शक्तिशाली और आत्मनिर्भर भारत पर गर्व करता है।

HAPPY Republic DAY

SAFE SMART SUSTAINABLE

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. | Contact No: +91 294-6604000-02 | www.hzlindia.com | CIN L27204RJ1966PLC001208

www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ www.facebook.com/HindustanZinc/ x.com/Hindustan_Zinc_ www.instagram.com/hindustan_zinc/

राजस्थान की 3 विभूतियों को पद्मश्री सम्मान



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार द्वारा घोषित पद्म पुरस्कार 2026 में राजस्थान की लोककला और समाजसेवा को राष्ट्रीय पहचान मिली है। राज्य की तीन विशिष्ट हस्तियों को पद्मश्री से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। डीग जिले के प्रसिद्ध भपंग वादक व 'पांडुन का कड़ा' के एकमात्र लोक गायक गफरूद्दीन मेवाती जोगी, जैसलमेर के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त अलगोजा वादक तगा राम भील और श्रीगंगानगर के वरिष्ठ समाजसेवी स्वामी ब्रह्मदेव महाराज इस सूची में शामिल हैं। गफरूद्दीन मेवाती जोगी ने पारंपरिक लोकगायन और भपंग वादन को पीढ़ियों से जीवित रखा है। वे देश-विदेश में अपनी प्रस्तुतियों से मेवात की लोकसंस्कृति को पहचान दिला चुके हैं। तगा राम भील ने अलगोजा वादन की अनूठी शैली से यूरोप, अमेरिका, रूस और जापान तक राजस्थान की लोकधुनों को पहुंचाया है। वहीं स्वामी ब्रह्मदेव महाराज श्रीगंगानगर स्थित श्री जगदंबा अंधविद्यालय और जगदंबा धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय के संस्थापक हैं। वे पिछले कई दशकों से नेत्रहीन, मूक-बधिर बच्चों की शिक्षा और निःशुल्क नेत्र चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से समाजसेवा में सक्रिय हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

राजस्थान पुलिस के 17 जांबाजों को मिलेगा सम्मानः राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े करेंगे अलंकृत

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। गणतंत्र दिवस समारोह, 2026 के अवसर पर राजस्थान पुलिस के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है। प्रदेश के 17 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा, अनुकरणीय कार्यशैली एवं राष्ट्रसेवा में महत्वपूर्ण योगदान के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक एवं पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में प्रदान किया जाएगा।

विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक

राष्ट्रपति पुलिस पदक से राजस्थान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी महानिरीक्षक पुलिस, सीआईडी सीबी श्री सत्येन्द्र सिंह को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उनके दीर्घकालीन प्रशासनिक अनुभव, प्रभावी नेतृत्व एवं संवेदनशील पुलिसिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्रदान करता है।

सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक

पुलिस पदक से सम्मानित होने वाले वरिष्ठ अधिकारियों में महानिरीक्षक पुलिस, एटीएस एवं एएनटीएफ श्री विकास कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरक्षा श्री पीयूष दीक्षित, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आयुक्तालय जोधपुर (हाल सेवानिवृत्त) श्री राजेन्द्र प्रसाद दिवाकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीआईडी एसएसबी जोन बीकानेर श्री राम प्रताप विश्नोई तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसओजी श्री विजय सिंह चौधरी शामिल हैं, जिन्होंने विभिन्न संवेदनशील इकाइयों में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं।

फील्ड से लेकर ट्रेनिंग तक, हर स्तर पर मिला सम्मान

पुलिस निरीक्षक एवं उप निरीक्षक स्तर पर सम्मानित होने वालों में पुलिस निरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग स्कूल बीकानेर श्री मनोज कुमार शर्मा, पुलिस निरीक्षक पुलिस लाइन आयुक्तालय जोधपुर श्री हनवन्त सिंह राजपुरोहित, उप निरीक्षक पुलिस पुलिस थाना मेट्रो आयुक्तालय जयपुर श्री पुरूषोतम लाल शर्मा तथा उप निरीक्षक पुलिस सीआईडी एसएसबी यूनिट राजसमंद श्रीमती शीला शामिल हैं, जिन्होंने प्रशिक्षण, प्रशासनिक एवं मैदानी कार्यों में उच्च स्तर की कार्यकुशलता का प्रदर्शन किया है।

जमीनी स्तर पर मुस्तैद जांबाजों का सम्मान

जमीनी स्तर पर कार्यरत कार्मिकों में सहायक उप निरीक्षक थाना बासनी जोधपुर पूर्व श्री श्याम लाल, सहायक उप निरीक्षक, श्रीगंगानगर श्री स्वर्ण सिंह, हैड कांस्टेबल 125, 6वीं आरएसी धौलपुर श्री राजवीर सिंह, हैड कांस्टेबल 226, आरपीए जयपुर श्री सुरेन्द्र सिंह, हैड कांस्टेबल 2351, सीआईडी एसएसबी जोन श्रीगंगानगर श्री पवन कुमार, कांस्टेबल 653, प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर श्री रेवन्ता राम तथा कांस्टेबल 1127, कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चुरू श्री सुरेश कुमार शर्मा को पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा।

टॉप-10 कंपनियों में 9 की वैल्यू 2.51 लाख करोड़ घटीः रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान; हिंदुस्तान यूनिलीवर की वैल्यूएशन 12,311 करोड़ बढ़ी



24 न्यूज अपडेट

पिछले हफ्ते बाजार में गिरावट से टॉप-10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 9 की मार्केट वैल्यूएशन 2.51 लाख करोड़ रुपए घट गई। इनमें से रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यूएशन 96,960.17 करोड़ गिरकर 18.75 लाख करोड़ रह गई। बीते 5 कारोबार दिनों में BSE सेंसेक्स में 2,032.65 अंक या 2.43% गिरावट रही। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि ग्लोबल टेंशन, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपए की कमजोरी और कमजोर कॉर्पोरेट अर्निंग्स से बाजार में दबाव बना है।

रिलायंस और ICICI बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट

रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यूएशन 96,960 कम हुई। ICICI बैंक की 48,644.99 करोड़ घटी, जो 9.60 लाख करोड़ हो गई। HDFC बैंक की 22,923.02 करोड़ कम होकर 14,09 लाख करोड़ रुपए पहुंची। वहीं भारती एयरटेल की वैल्यूएशन17,533.97 करोड़ घटी, जो 11,32 लाख करोड़ रह गई। TCS की मार्केट वैल्यू 16,588.93 करोड़ कम होकर 11.43 लाख करोड़ हुई। L&T की 15,248.32 करोड़ गिरकर 5.15 लाख करोड़ पहुंची। बजाज फाइनेंस की 14,093.93 करोड़ घटी, जो 5.77 लाख करोड़ रह गई। SBI की वैल्यूएशन 11,907.5 करोड़ कम होकर 9.50 लाख करोड़ हुई। इंफोसिस की 7,810.77 करोड़ गिरकर 6.94 लाख करोड़ पहुंची। हिंदुस्तान यूनिलीवर की वैल्यूएशन 12,311.86 करोड़ बढ़कर 5.66 लाख करोड़ हो गई।

संपादकीय : विवेकवाद की प्रतीक्षा

दुनिया आज संकट के मुहाने पर है। इसके लिए ट्रंप या पुतिन को दोष देने की जरूरत नहीं है क्योंकि हम स्वयं इसके जिम्मेदार हैं। भौतिकता ने हमें इतना मोह लिया है कि हम इसे अपना लक्ष्य मानकर गुलामी में संतोष मान लेते हैं। यही गुलामी हमें व्यक्तिवादी, मानसिक रूप से आलसी बनाती है और किसी भी जोखिम उठाने से रोकती है। इसी भौतिकता केंद्रित संस्कृति से उपजी भिन्न राजनीतिक सोच को हम भले ही नापसंद करें, पर उसे पूरी तरह नकारने की स्थिति में नहीं हैं। ट्रंप का अमेरिकी लोकतंत्र में फिर से उदय इसका सबसे स्पष्ट प्रमाण है। विकसित लोकतंत्र के शीर्ष पर बैठे राजनेता मध्ययुगीन शासकों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। ताकत की भाषा ने तर्क की भाषा को विस्थापित कर दिया है। ट्रंपवाद का मतलब है कि जिसकी लाठी उसकी भैंस...यह कूटनीति नहीं, बर्बर मध्ययुगीन मानसिकता है। युद्ध, धमकी, चेतावनी और अमर्यादित भाषा आज के कथित विकसित लोकतंत्र के राजनयिकों की पहचान बन गई है, और हम इसे नियति मानकर स्वीकार कर रहे हैं। प्रतिकार, संशोधन या असहमति का संगठित स्वर अंकुरित होने से पहले ही समाप्त कर दिया जाता है। समस्याओं को जानने में कोई कमी नहीं है, पर समाधान की पहल न के बराबर है। समाधान का सूत्र गणितीय नहीं होता—जिसे लागू करते ही क्षणभर में परिणाम मिल जाए। यह समाजशास्त्रीय है। यह मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाता है। यूरोप में मार्टिन लूथर से मार्टिन लूथर किंग जूनियर तक, विवेकवाद ने तीन मुख्य आयामों को जन्म दिया—भाग्यवादी सोच पर हमला, समानता की मांग और विवेक के आधार पर घटनाओं, दर्शन और नायकों का मूल्यांकन। इनका समन्वय वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करता है। आज इसकी कमी हर जगह महसूस की जा रही है। जब समाजशास्त्र, साहित्य और सुधारक की त्रिवेणी मिलती है, तभी नए दौर की शुरुआत होती है। वाल्तेयर ने साहित्यिक लेखन के माध्यम से बदलाव को जन्म दिया। वे कैथोलिक चर्च की ताकत से नहीं डरे और धर्म की आड़ में बढ़ती अराजक प्रवृत्तियों और विभाजनकारी सोच को चुनौती दी। व्यक्ति की अहमियत तब स्पष्ट हुई, जब उसने विवेक और वैज्ञानिक सोच को अपनाया। थॉमस कार्लाइल, गोर्की, टॉलस्टॉय जैसे विचारकों ने मनुष्य की जड़ता, यथास्थितिवाद और मस्तिष्क के आलस्य को चुनौती दी। असहमति की शक्ति व्यक्तित्व का केंद्र बन गई। लोकतंत्र में यह सूक्ष्म लेकिन स्थूल आधार को हिला देने वाला तत्व है—जैसे चींटी हाथी की सूंड में प्रवेश कर उसे बेचैन कर देती है। पूर्व सोवियत संघ में आंद्रेई सखारोव ने भौतिक विज्ञान और मानवाधिकार के माध्यम से असहमति का प्रतीकात्मक स्वर उभारा। चेकोस्लोवाकिया में वाकलाव हावेल ने अपनी पुस्तक द पावर ओफ पावरलेस के जरिए राजनीतिक व्यवस्था की वैधानिकता को चुनौती दी। आज संकट गहरा है। हमने भौतिक चमक-दमक को आधुनिक मनुष्य होने का एकमात्र विकल्प मान लिया है। मध्ययुग से आधुनिक युग में प्रवेश मनुष्य के सोच, व्यवहार और मस्तिष्क में परिवर्तन के कारण हुआ था। वह प्रक्रिया अब थम गई है। भारत में समाज सुधार और साहित्य ने अपनी भूमिका निभाई, लेकिन समाजशास्त्र पूरी तरह पांव नहीं जमा सका। साहित्य ने समाजशास्त्र की कमी कुछ हद तक पूरी की—प्रेमचंद से लेकर रामधारी सिंह 'दिनकर' तक, राजा राममोहन राय से लेकर एम. जी. राणाडे तक, सभी ने मानव चिंतन में सामाजिक पहल की। सामाजिक-सांस्कृतिक पहल राजनीति के निकट जाने पर अक्सर गिरावट आई। बदलाव पर ग्रहण तब लगता है, जब सोच और दृष्टिकोण केंद्रीकृत हो जाते हैं। भेड़चाल यहीं से जन्म लेती है। साम्यवाद समाप्त हो गया, पर उसकी केंद्रीकृत सोच आज भी दुनिया के शत्रुओं द्वारा लाभकारी तरीके से अपनाई जा रही है। रास्ता सोच के विकेंद्रीकरण में है। पश्चिम में क्लबों और भारत में सार्वजनिक स्थान या खुले आसमान के नीचे यह विकेंद्रीकरण होता रहा है। इसी ने फेबियन समाजवाद और भारत में अद्वैत और नवन्याय के दर्शन को जन्म दिया। भौतिकता के अपने हथियार होते हैं। यह मनुष्य को नया व्यक्तिवादी बनाती है। मध्ययुग के बाद आया व्यक्तिवाद विवेक और असहमति के अधिकारों में अस्तित्व ढूंढता था, जबकि वर्तमान भौतिकताकेंद्रित व्यक्तिवाद केवल स्वयं के सुख के लिए जिम्मेदारियों को नकारता है। भौतिकता आर्थिक संस्कृति की सर्वोच्चता स्थापित कर साहित्य, समाजशास्त्र और सुधार को भी अपने अधीन कर लेती है। राजाओं के किसी 'नवरत्न' ने समाज को सूक्ष्म या स्थूल स्तर पर बदलने वाली रचना नहीं की। बदलाव का नेतृत्व हमेशा विश्वविद्यालय परिसर के बाहर के बौद्धिकों ने किया। आज मनुष्य संकट से जूझ रहा है। ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालयों के बौद्धिक अपने बचाव में ही लगे हैं। अपवादस्वरूप जो इससे बाहर निकलते हैं, वे ही बदलाव के सारथी बनते हैं। पूंजीवाद के विकृत रूप ने आज मनुष्य को वैज्ञानिक चिंतन और आलोचनात्मक दृष्टि से दूर कर दिया है। यह संकीर्ण पहचान, नस्ल, धर्म और जाति के आधार पर आंदोलनों को समर्थन देता है। वहीं, आज का साहित्य और समाजशास्त्र इसके संगीत की तरह दुनिया के कानों तक पहुँचता है। इसी विवेकवाद को तोड़ना होगा, तभी मनुष्य फिर से मनुष्य बन पाएगा।

तेज रफ्तार कार का कहर: दो की मौत, दो गंभीर घायल, मोर्चरी में फूट-फूट कर रोए परिजन





24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अंबामाता थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे लगे नाश्ते के ठेले को टक्कर मार दी, जिसके बाद पास खड़े चार लोगों में से दो की दर्दनाक मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने लगभग साढ़े छह बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि ठेला करीब बीस फीट दूर जाकर गिरा, और पास खड़े लोग कार की चपेट में आ गए। मृतकों की पहचान 70 वर्षीय अब्दुल मजीद पुत्र हबीब और 35 वर्षीय मोहम्मद इमरान खान पुत्र महबूब खान के रूप में हुई। दोनों ही अंबामाता क्षेत्र की छींपा कॉलोनी के निवासी थे और टेलर का काम करते थे। घायलों में नाश्ते का ठेला लगाने वाला जीवनसिंह अर्जुनसिंह और शामिल हैं, एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

मौके पर भारी आक्रोश, सड़क जाम

इससे पहले हादसे के बाद कार पलट गई और चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोग गुस्से में सड़क पर तीन घंटे तक जाम लगा बैठे और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। जाम के दौरान सड़क पर पोहे, आलू और नाश्ते की सामग्री बिखर गई। मृतक अब्दुल मजीद के बेटे मोहम्मद यूसुफ ने बताया कि उनके पिता और इमरान रोज की तरह चाय पीने गए थे। अचानक तेज रफ्तार कार ने पहले ठेले और फिर उन्हें टक्कर मारी। इस बीच लोगों ने यह भी कहा कि स्थानीय पार्षद ने प्रशासन को हादसों के बारे में पहले ही लिखित में सूचित कर दिया था मगर हुआ कुछ नहीं। यही बात प्रशासन को दिए ज्ञापन में भी लिखी गई है।

परिजन मोर्चरी में पर फूट-फूट कर रोए



24 न्यूज अपडेट को मिली जानकारी के अनुसार दोपहर में मृतकों के परिजन, बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के समाजजन और अंजुमन पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 25-25 लाख रुपये मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग की गई। इसके साथ घायलों के लिए 5-5 लाख रुपये देने की भी मांग रखी गई। प्रतिनिधिमंडल की ओर से कहा गया कि प्रशासन ने आयुष्मान और पालनहार योजन के तहत मुआवजे का आश्वासन दिया है और संविदा नौकरी की भी गारंटी दी। इसके बाद मोर्चरी में मृतकों के शव परिजनों को सौंपे गए। परिजन फूट-फूट कर रो पड़े, और पूरे मोर्चरी का माहौल गमगीन हो गया। शवों को अंतिम यात्रा के लिए घरों की ओर रवाना किया गया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

घटना के सिलसिले में सूचना मिली कि कार चालक धर्माराम (23) पुत्र महेंद्र कुमार, निवासी सनावड़ा, बाड़मेर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार हादसे के कारणों की जांच जारी है। 24 न्यूज अपडेट को मिली जानकारी के अनुसार अंबामाता थाना अधिकारी मुकेश सोनी ने बताया कि कार को चालू हालत में जब्त कर लिया गया है और आरोपी की पहचान व गिरफ्तारियों के लिए कार्रवाई जारी है। यह हादसा शहर में तेज रफ्तार और लापरवाही के घातक परिणाम को उजागर करता है और मृतकों के परिजनों में गहरा शोक और रोष छोड़ गया है।

वंचित बच्चों के रंगों में उभरा सशक्त भारत, गणतंत्र की जीवंत तस्वीर ने छू लिया दिल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पिछड़े इलाकों से आए वंचित बच्चों ने अपनी कल्पना, हुनर और रंगों के ज़रिए देशभक्ति की ऐसी तस्वीर उकेरी, जिसने हर देखने वाले को भावुक कर दिया। स्केच कलर से सजे नन्हे हाथों में कहीं केसरिया, कहीं सफेद तो कहीं हरे रंग की रेखाएं आकार ले रही थीं। जब इन सभी रेखाओं और चित्रों को एक साथ जोड़ा गया, तो सामने उभरी एक सशक्त, एकजुट और आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर। आयोजन में शामिल 16 वंचित बच्चों ने अपने-अपने कैनवास पर देश के महान सपूतों और राष्ट्रीय प्रतीकों को जीवंत किया। किसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र बनाया, तो किसी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उकेरा। कहीं राष्ट्रीय पक्षी मोर नजर आया, तो कहीं शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाषचंद्र बोस की छवियां। हर चित्र उस भारत की कहानी कह रहा था, जिसके लिए लाखों वीरों और महापुरुषों ने बलिदान दिया और जिसके आधार पर हमारा संविधान बना। गणतंत्र दिवस पर शहर के न्यारो कैफे की ओर से देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से वंचित बच्चों के साथ लाइव पेंटिंग आयोजन किया गया। आयोजन ने न केवल कला को मंच दिया, बल्कि संवेदनाओं और समावेशन का संदेश भी दिया। न्यारो कैफे के संचालक वैभव जोशी ने बताया कि इस विशेष आयोजन के तहत बच्चों के लिए लंच और शाम की हाई-टी की पूरी व्यवस्था की गई। बच्चों से गणतंत्र दिवस की थीम पर पेंटिंग्स बनवाने में आकृति फाउंडेशन और प्रोफाउंड ह्यूज का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। बच्चों ने दिनभर न्यारो कैफे के माहौल को देखा, खुलकर मस्ती की और तिरंगा लहराते हुए देशभक्ति से जुड़ी यादगार तस्वीरें बनाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आर.के. हॉस्पिटल के तरुण अग्रवाल मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों की बनाई पेंटिंग्स का अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की खुले दिल से सराहना की। अग्रवाल ने कहा कि, "भले ही ये बच्चे वंचित हों, लेकिन इनके हाथों का हुनर किसी से कम नहीं है। इनकी कला भविष्य की बड़ी संभावनाओं का संकेत है।" उन्होंने न्यारो कैफे की इस पहल की प्रशंसा करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह आयोजन सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह संदेश था कि सपने संसाधनों के मोहताज नहीं होते, हुनर हर परिस्थिति में रास्ता बना लेता है।

राजकीय चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण, प्रशासन ने टटोली स्वास्थ्य सेवाओं की नब्ज



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार आमजन को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में रविवार को जिले में प्रशासनिक अमला राजकीय चिकित्सा संस्थानों के सघन निरीक्षण पर रहा। जिला कलक्टर नमित मेहता ने शहर के खेमराज कटारा राजकीय सेटेलाइट चिकित्सालय, हिरण मगरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से चिकित्सा सुविधाओं, उपकरणों, दवाओं और वार्ड संचालन की विस्तार से जानकारी ली। कलक्टर ने अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवीन सुविधाओं के प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने आईसीयू, आईपीडी, ओपीडी और वार्डों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने साफ-सफाई, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता, दवाओं की स्थिति और मरीजों को मिल रही सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया। वार्ड में भर्ती मरीजों से संवाद कर उनका स्वास्थ्य हाल जाना और उपचार संतुष्टि स्तर पर चर्चा की। उन्होंने चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ को संवेदनशीलता और समर्पण के साथ सेवाएं देने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अशोक आदित्य सहित अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। एडीएम और जिला परिषद सीईओ ने भी किया निरीक्षण एडीएम प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाई, जिला परिषद सीईओ रिया डाबी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डबोक, और अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) जितेंद्र ओझा ने बड़गांव स्थित सेटेलाइट अस्पताल का निरीक्षण किया। सभी अधिकारियों ने चेकलिस्ट के अनुसार अस्पतालों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण किया और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य ने बताया कि रविवार को जिले के 50 से अधिक राजकीय चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण विभिन्न अधिकारियों द्वारा किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लेना था, बल्कि मरीजों के लिए सेवाओं को और अधिक सुगम, सुरक्षित और प्रभावी बनाना भी था।

उदयपुर के सुरेंद्र सिंह खनुजा बने राजस्थान राज्य कबड्डी संघ के उपाध्यक्ष



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जयपुर के होटल रीगल के सभागार में कल संपन्न हुई राजस्थान राज्य कबड्डी संघ की वार्षिक साधारण सभा में अगले चार वर्षों (2026 से 2030) के लिए संघ के नए पदाधिकारियों का चुनाव संपन्न हुआ। इस अवसर पर उदयपुर के सुरेंद्र सिंह खनुजा को राजस्थान राज्य कबड्डी संघ का उपाध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। जिला कबड्डी संघ उदयपुर के सचिव मुकेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद पर जयपुर के जितेंद्र सिंह बरार, महासचिव पद पर सीकर के जगदीश प्रसाद गढ़वाल, और कोषाध्यक्ष पद पर अक्षय हाडा को निर्विरोध चुना गया। खनुजा के राज्य संघ के उपाध्यक्ष चुने जाने पर उदयपुर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष विनोद साहू, सरक्षक प्रमोद सामर, जिला कबड्डी संघ उदयपुर के आयोजन सचिव जालमचंद जैन, सचिव मुकेश जैन, कबड्डी कोच सत्यनारायण सिंह गहलोत, श्याम सुंदर शर्मा, जिला तीरंदाजी संघ के सचिव गिरधारी सिंह चौहान सहित उदयपुर के कई खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। खेल प्रेमियों ने इस अवसर पर यह भी आशा व्यक्त की कि सुरेंद्र सिंह खनुजा के नेतृत्व में उदयपुर में कबड्डी खेल और अधिक ऊँचाइयों को छुएगा और प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करेगा।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

माही टॉक फेस्ट 4.0: शताब्दी वर्ष में राष्ट्र सेवा और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त संदेश



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा एवं विश्व संवाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय माही टॉक फेस्ट (MTF) 4.0 का भव्य समापन रविवार को हुआ। समारोह ने विचार, संस्कृति और राष्ट्रबोध को एकत्रित करते हुए श्रोताओं को प्रेरक संदेश दिया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक एवं प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक श्री निम्बाराम उपस्थित थे। फेस्ट की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने की, जबकि मंच पर विश्व संवाद केंद्र के मेंटर मदनमोहन टांक और कुलसचिव कश्मी कौर भी उपस्थित थे।

घर से बदलाव शुरू होगा, तभी बदलेगा राष्ट्र

प्रेरक संबोधन में निम्बाराम ने कहा कि समाज, राज्य और देश में परिवर्तन की नींव घर और परिवार से शुरू होती है। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन को सामाजिक परिवर्तन में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। संघ के शताब्दी वर्ष के आत्मविश्लेषण और आत्मचिंतन पर उन्होंने प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल विस्तार नहीं, बल्कि समाज निर्माण और व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र सेवा करना है। निम्बाराम ने संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के आदर्शों को याद करते हुए बताया कि संघ और समाज का एक होना ही उनका मूल लक्ष्य था। उन्होंने कहा कि संघ में शिशु, विद्यार्थी, कॉलेज छात्र, व्यवसायी, तरुण और प्रौढ़—हर आयु वर्ग के लिए शाखाएं संचालित की जाती हैं, जिससे संस्कार और संगठन की भावना निरंतर मजबूत होती है। उन्होंने यह भी कहा कि संघ की तीन प्रमुख शक्तियाँ—मातृ शक्ति, सज्जन शक्ति और सम्पूर्ण समाज का संगठन—संघ के मूल आधार हैं। युवा वर्ग को आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान ने केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्यों का बोध भी कराया है। समाज में सद्भाव बनाए रखना और स्वदेशी को स्वावलंबन आंदोलन के रूप में अपनाना आज की आवश्यकता है।

संवाद सत्र में मिली गहन अंतर्दृष्टि

संवाद सत्र के दौरान निम्बाराम ने स्पष्ट किया कि संघ में केवल उपदेश नहीं, बल्कि कर्म साधना का भाव निहित है। उन्होंने कहा, "शक्तिहीन के सारे शस्त्र जग में ठुकरा दिए जाते हैं," इसलिए समाज को संगठित और सशक्त बनाना आवश्यक है। वर्तमान में लगभग 70 प्रतिशत घरों तक स्वयंसेवकों की पहुँच हो चुकी है। सत्र का संचालन रणधीर व्यास ने किया, जबकि मॉडरेटर के रूप में श्रीमती रुचि श्रीमाली रही। श्रोताओं ने अपने प्रश्नों के माध्यम से विचारोत्तेजक संवाद में सक्रिय भागीदारी की।

साहित्य, मीडिया और कला के माध्यम से राष्ट्रबोध

फेस्ट के तीसरे दिन की शुरुआत नागरिक शिष्टाचार विषयक रील्स मेकिंग प्रतियोगिता से हुई। इसके बाद 'आर्ट ऑफ रीडिंग' पर कार्यशाला में विद्यार्थियों को गहन पठन और विवेकपूर्ण अध्ययन की विधियों से परिचित कराया गया। वैश्विक और भारतीय मीडिया पर विचार सत्र में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की निदेशक डॉ. रश्मि बोहरा और वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र पालीवाल ने मीडिया की सामाजिक भूमिका और उत्तरदायित्व पर चर्चा की। साहित्य सत्र में राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष इंदुशेखर तत्पुरुष ने 'आनंद मठ और वंदे मातरम् के 150 वर्ष' पर संवाद किया। समापन सत्र का प्रमुख सांस्कृतिक आकर्षण था इंदौर की स्टोरीटेलर भारती दीक्षित की आदि शंकराचार्य पर आधारित संगीतमय कथा प्रस्तुति, जिसने श्रोताओं को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भावभूमि से जोड़ दिया।

पुस्तक विमोचन और सम्मान

इस अवसर पर लेखक भागीरथ चौधरी की पुस्तक 'और यह जीवन समर्पित' का विमोचन भी किया गया, जिसका परिचय देवांश गोस्वामी ने प्रस्तुत किया। फेस्ट के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं और सहयोगियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। निम्बाराम ने फेस्ट के समापन अवसर पर कहा, "संवाद, साहित्य, मीडिया और संस्कृति के माध्यम से राष्ट्रबोध को सशक्त किया जा सकता है। यह आयोजन बांसवाड़ा को वैचारिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में सार्थक पहल साबित हुआ।" उपस्थित गणमान्यजनों में प्रो. राजेश जोशी, प्रो. नरेंद्र पानेरी, डॉ. प्रमोद वैष्णव, डॉ. राकेश डामोर, डॉ. लोकेन्द्र कुमार, डॉ. नीरज श्रीमाली, मामराज, विश्व संवाद केंद्र की ओर से मदन मोहन टांक, डॉ. कमलेश शर्मा, डॉ. सुनील खटीक, विकास छाजेड़, जयराज सहित बड़ी संख्या में युवा, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय स्टाफ ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

उदयपुर वीमेन राइजिंग एवं सांतूर मॉम्स क्लब का पाँचवां बिज़नेस मीट-अप सफलतापूर्वक संपन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर वीमेन राइजिंग एवं सांतूर मॉम्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पाँचवां बिजनेस मीट-अप सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की महिला उद्यमियों एवं प्रोफेशनल्स ने भाग लिया। इस आयोजन की प्रेरणा रहीं सुनीता सिंघवी, संस्थापक – उदयपुर वीमेन राइजिंग एवं सांतूर मॉम्स क्लब। कार्यक्रम की मेज़बानी डॉ. स्वालेहा खातून, सेरावे एस्थेटिक्स क्लिनिक ने की। मुख्य अतिथि मलय चक्रवर्ती, पूर्व प्रबंधक (वित्त) – हिंदुस्तान जिंक रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में विप्लव कुमार जैन, अगम्य मीडिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रेरणादायक सत्रों के साथ महिला उद्यमियों का सम्मान किया गया। यह मीट-अप महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

डूंगरपुर पुलिस ने गुजरात नंबर की कार से 2.50 लाख की अवैध शराब जब्त, तस्कर गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। डूंगरपुर की चौरासी थाना पुलिस ने रविवार सुबह एक गुजरात नंबर की कार से लगभग 2.50 लाख रुपए मूल्य की अवैध शराब जब्त की। इस कार्रवाई में बाड़मेर निवासी तस्कर धर्माराम (23) पुत्र महेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया गया, जो शराब को गुजरात ले जा रहा था। पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ 'ऑपरेशन स्वच्छता' के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस को सूचना मिली कि एक कार से अवैध शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर चौरासी थानाधिकारी भंवर सिंह के नेतृत्व में हेड कॉन्स्टेबल हजारीलाल, कॉन्स्टेबल दिनेश कुमार, लोकेश कुमार और वीरमल की एक टीम बनाई गई। टीम ने वैंजा चौकी के पास सीमलवाड़ा रोड पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान टीम ने गुजरात नंबर की स्विफ्ट कार को आते देखा और रुकने का इशारा किया। कार ड्राइवर धर्माराम पुलिस को देखकर घबरा गया। तलाशी लेने पर कार की सीटों के नीचे विभिन्न ब्रांड की अवैध शराब छिपाई हुई मिली। पुलिस ने बताया कि जब्त शराब की बाजार कीमत लगभग 2 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। शराब के साथ कोई वैध कागजात भी नहीं मिले। इसके बाद अवैध शराब और कार को जब्त कर लिया गया और धर्माराम को गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने कहा कि जिले में अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए न केवल 'ऑपरेशन स्वच्छता' जारी रहेगा।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

भव्य सांस्कृतिक संध्या, छात्र-छात्राओं ने दिखाया देशभक्ति का उत्साह



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उदयपुर में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने एक भव्य गणतंत्र गौरव सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। यह कार्यक्रम नगर निगम के सुखाड़िया रंगमंच सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों की देशभक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, छात्र-छात्राओं और उनके परिजनों के अलावा विशेष अतिथियों के रूप में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, अमर शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागोरी और मेजर मुस्तफा के परिजन मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने बांधा समा

संध्या की शुरुआत विद्यालयों के नन्हे-मुन्ने छात्रों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और नृत्य से हुई। उनके उत्साह और लगन ने सभागार को गूँजती नारों और तालियों की गड़गड़ाहट से भर दिया। वरिष्ठ छात्र-छात्राओं ने नाट्य और गीतमय प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति, गणतंत्र और भारतीय संस्कृति का संदेश उपस्थित लोगों तक पहुंचाया।

देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत प्रस्तुतियां

छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों में सशस्त्र बलों के शौर्य, स्वतंत्रता संग्राम के वीरों की वीरता और संविधान के महत्व को दर्शाया गया। विशेष रूप से लेफ्टिनेंट अभिनव नागोरी और मेजर मुस्तफा की शहादत को याद करते हुए छात्र-छात्राओं ने प्रेरक कविताएं और सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसने समा बांध दिया।





जिला स्तरीय आयोजन में कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी फहराएंगे तिरंगा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले भर में सोमवार, 26 जनवरी को 76वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और गरिमा के साथ मनाया जाएगा। उदयपुर जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय मुख्य समारोह गांधी ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा, जहां जनजाति क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। जिला कलक्टर नमित मेहता ने रविवार को गांधी ग्राउंड पहुंचकर समारोह की तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

9.05 बजे होगा ध्वजारोहण, मार्चपास्ट बनेगा आकर्षण

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य समारोह की शुरुआत सुबह ठीक 9.05 बजे ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और परेड निरीक्षण के



साथ होगी। पुलिस, एनसीसी, स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राएं आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत करेंगे। समारोह में राज्यपाल का संदेश पढ़ा जाएगा। इसके पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा समाजसेवा, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए जाएंगे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विकास झांकियां रहेंगी खास

समारोह में स्कूली विद्यार्थियों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न विभागों की विकासपरक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी, जिनमें राज्य सरकार की योजनाओं और जिले में हो रहे विकास कार्यों को मॉडल्स के माध्यम से दर्शाया जाएगा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ होगा। व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

जिला कलक्टर नमित मेहता रविवार दोपहर करीब एक बजे गांधी ग्राउंड पहुंचे। उन्होंने अतिथियों, आमजन और बच्चों की बैठक व्यवस्था, मंच सज्जा, ध्वजारोहण स्थल, सुरक्षा प्रबंध, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं और समारोह को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और गरिमामय ढंग से आयोजित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा, नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर शौर्य का सम्मानः गृह रक्षा के तीन अधिकारियों को राष्ट्रपति पदक से नवाजा जाएगा







24 न्यूज अपडेट

जयपुर। गणतंत्र दिवस 2026 का अवसर राजस्थान के गृह रक्षा विभाग (होमगार्ड्स) के लिए गर्व और खुशी लेकर आया है। विभाग के तीन अधिकारियों को उनकी दीर्घकालीन, निष्ठावान और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। इनमें से एक अधिकारी कल, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में महामहिम राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े द्वारा पदक से अलंकृत किए जाएंगे।

उप समादेष्टा घनश्याम सिंह होंगे सम्मानित

गृह रक्षा विभाग के उप समादेष्टा श्री घनश्याम सिंह को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। श्री सिंह का करियर साहस और प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा है। उन्होंने ऑपरेशन पराक्रम में सक्रिय भागीदारी की, बिहार के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और बांका जिलों में लोकसभा चुनाव के दौरान कंपनी का सफल नेतृत्व किया। इसके अलावा वे पहले महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क से भी सम्मानित हो चुके हैं।

नारणाराम और श्री रामकिशोर को राष्ट्रपति पदक की घोषणा

गृह रक्षा विभाग के कंपनी कमांडर श्री नारणाराम (पूर्व प्लाटून कमांडर, सीमा गृह रक्षा दल, बाड़मेर) और श्री रामकिशोर, प्लाटून कमांडर, गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र, टोंक, को दीर्घकालीन और निष्ठावान सेवाओं के लिए राष्ट्रपति सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए जाने की घोषणा हुई है।

नारणाराम ने अपने सेवाकाल में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा के मोर्चे से लेकर कारगिल युद्ध तक कठिन ऑपरेशनल ड्यूटी में अदम्य साहस का परिचय दिया। चुनाव ड्यूटी, कानून-व्यवस्था, प्रशिक्षण और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में उनके संगठनात्मक अनुशासन और समर्पण को देखते हुए यह पुरस्कार उन्हें प्रदान किया जा रहा है। प्लाटून कमांडर श्री रामकिशोर ने भी पूरे सेवाकाल में उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता और परिणामोन्मुख कार्यशैली का उदाहरण पेश किया है। कर्तव्य के प्रति उनकी अटूट निष्ठा और विभाग में महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया जा रहा है।

सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य का मंच सजेगा

26 जनवरी 2026 की सुबह, जब पुलिस के जांबाजों के साथ गृह रक्षा विभाग के ये अधिकारी SMS स्टेडियम पर मंच पर होंगे, तब यह समारोह प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा में उनके योगदान को एक नई पहचान देगा। यह सम्मान केवल इन अधिकारियों की व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि राजस्थान होमगार्ड्स के हर स्वयंसेवक और अधिकारी का गौरव है, जो विपरीत परिस्थितियों में देश की सेवा में डटा रहता है।

विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर निकाली गई भव्य शोभायात्रा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। विराट हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति, चांदपोल (उदयपुर) की ओर से रविवार दोपहर को एक भव्य और भक्तिमय शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा दोपहर 12:30 बजे भीमपरमेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर जेठियों का अखाड़ा, जाड़ा गणेशजी चौक, पुरोहितजी का चौक, खोड़ी इमली, चौबीसा की गली, सिरोहीवाड़ा, ब्रह्मपोल, नाथीघाट और छगनजी की बाड़ी होते हुए नगर परिषद कॉलोनी में सम्पन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान विभिन्न मोहल्लों में आगामी 1 फरवरी को आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन, कलश यात्रा एवं धर्मसभा के लिए आमंत्रण पत्र वितरित किए गए। आयोजन के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रा में मातृशक्ति, युवा वर्ग, बच्चों और पुरुषों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।

धार्मिक भजनों पर महिलाओं द्वारा नृत्य किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय और उल्लासपूर्ण वातावरण बन गया। शोभायात्रा के दौरान सनातन धर्म के जयघोषों से मार्ग गूंज उठा। आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा प्रत्येक सनातनी हिंदू परिवार के घर पीले चावल अर्पित कर उन्हें 1 फरवरी को आयोजित होने वाली भव्य शोभायात्रा, कलश यात्रा एवं विराट हिंदू सम्मेलन (धर्मसभा) में सहभागी बनने का आमंत्रण दिया गया। आयोजन समिति ने जानकारी दी कि 1 फरवरी को होने वाला विराट हिंदू सम्मेलन, कलश यात्रा एवं धर्मसभा भव्य स्तर पर आयोजित की जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है।

JSR राज्य स्तरीय एडवोकेट क्रिकेट टूर्नामेंटः उदयपुर–जोधपुर फाइनल में आमने-सामने



24 न्यूज अपडेट

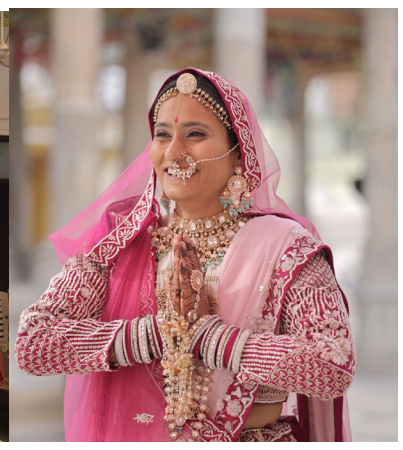
उदयपुर। बार एसोसिएशन उदयपुर और JSR गणेश फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में JSR राज्य स्तरीय एडवोकेट क्रिकेट टूर्नामेंट अब अपने निर्णायक मुकाम पर पहुंच गया है। सोमवार को फील्ड क्लब क्रिकेट ग्राउंड पर फाइनल मुकाबले में उदयपुर बार एसोसिएशन ए टीम और जोधपुर हाईकोर्ट एडवोकेट्स खिताब के लिए भिड़ेंगी। फाइनल मैच दोपहर 1:30 बजे शुरू होगा। बार एसोसिएशन उदयपुर अध्यक्ष जितेंद्र जैन ने बताया कि फाइनल मुकाबले के पश्चात समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। उपाध्यक्ष महेंद्र मेनारिया के अनुसार समारोह में जिला एवं सत्र न्यायाधीश ज्ञान प्रकाश गुप्ता, शहर विधायक ताराचंद जैन, JSR गणेश फाउंडेशन के जयशंकर राय, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सचिन आचार्य, जिला कलेक्टर नमित मेहता, राजस्थान उच्च न्यायालय के डबल एजी प्रवीण खंडेलवाल, बार काउंसिल सदस्य रतन सिंह राव तथा अधिवक्ता वंदना उदावत बतौर अतिथि उपस्थित रहेंगे।

रविवार को फील्ड क्लब क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। पहले सेमीफाइनल में जयपुर बार एसोसिएशन और उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन आमने-सामने थीं। जयपुर ने पहले गेंदबाजी चुनी। जोधपुर की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 164 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए जयपुर की टीम दबाव में आ गई और जोधपुर ने यह मुकाबला 11 रन से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में जाकिर कुरैशी (जोधपुर) को 49 रन और एक विकेट के शानदार प्रदर्शन पर मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

दूसरे सेमीफाइनल में उदयपुर बार एसोसिएशन ए और भीलवाड़ा बार एसोसिएशन की टीमें आमने-सामने थीं। टॉस जीतकर उदयपुर ने बल्लेबाजी का फैसला किया। शुरुआती झटकों के बावजूद टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 156 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भीलवाड़ा टीम की शुरुआत लड़खड़ा गई। चेतन चौधरी ने 13वें ओवर में तीन विकेट लेकर मैच की दिशा बदल दी। भीलवाड़ा की पूरी टीम 19.4 ओवर में 114 रन पर सिमट गई और उदयपुर ने मुकाबला 42 रन से जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इस मैच में 30 रन और तीन विकेट लेने वाले चेतन चौधरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक JSR गणेश फाउंडेशन के जयशंकर राय हैं, जबकि वेदांता ग्रुप एवं समाजसेवी भगवान लाल वैष्णव सह-प्रायोजक रहे।

आयड़ तीर्थ में सकल जैन समाज ने किया मुमुक्षु दीक्षार्थी रविशा जैन इति का बहुमान





24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 जनवरी । सर्व समाज को सही राह पर चलने की प्रेरणा देने वाले साधु सन्तों में जैन समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इसी कड़ी में आज समाज की बेटी की बेटी रविशा जैन इति (राजनगर वाले) का व उनके सांसारिक परिवाजनों का आयड़ तीर्थ स्थित आत्म वल्लभ सभागार में भव्य बहुमान किया गया। इस अवसर पर रविशा को बधाई देने पूरा सकल जैन समाज उमड़ पड़ा।

महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि इससे पूर्व दीक्षार्थी रविशा जैन (राजनगर वाले) का प्रातः 10 बजे मंगलम कॉम्प्लेक्स शोभागपुरा से वर्षीदान का भव्य वरघोड़ा निकाला जो आशीर्वाद नगर, केशव नगर, नागदा रेस्टोरेंट, आयड़ पुलिया विवेकानंद चौराहा होते हुए आयड़ तीर्थ पहुंचा। मार्ग में जगह-जगह गउली बनाकर वरघोड़ों को वदाया गया एवं मुमुक्षु का बहुमान किया गया। वरघोड़े में सबसे आगे इन्द्रध्वज की बग्गी चल रही थी, उसके पीछे 5 घोड़े पर जैन ध्वज लिए श्रावक चल रहे थे, उसके पश्चात जैन निति नवयुवक मण्डल का बैण्ड जयघोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे। वहीं उनके पीछे आचार्य जगतचदं सुरी महाराज व साध्वी कीर्ति रेखा आदि ठाणा, उनके पीछे भगवान का रथ उसके बाद श्राविकाएं चल रही थी। उसके बाद डीजे की गाडी व अंतिम में बग्गी में बैठी दीक्षार्थी रविशा जैन इति वर्षीदान करते हुए चली रही थी। साथ ही सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं दीक्षार्थी के जयकारों के साथ आयड़ तीर्थ पहंचे । जहां युवा प्रकोष्ठ के सदस्यों ने मुमुक्षु रविशा को पालकी में बिठाकर जयकारों के साथ मंच पर लायें। वहां पर महिलाओं ने फूल व अक्षत बरसा कर मुमुक्षु रविशा का स्वागत किया। कार्यक्रम में सकल जैन समाज की ओर से मुमुक्षु रविशा के दादी मनोरमा देवी, पिता अशोक राजनगर वाले, माता कविता, चाचा,चाची, भाई का बहुमान किया गया। उसके बाद संगीतकार हेनी भाई के मधुर स्वर लेहरियों के बीच मुमुक्षु रविशा का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उसके बाद सकल संघ का भव्य स्वामी वात्सल्य का आयोजन हुआ।

इस अवसर मुमुक्षु रविशा ने कहा कि गुरु के सानिध्य में गुरूकुलवास में मेरे लिये अविस्मरणीय रहा। वहां रहकर मैंने प्रभु भक्ति सीखी। उन्होंने कहा कि धर्म एक आनन्द है। इसमें जितनी गहराई में हम जाते रहेंगे,उतना की हमें आनन्द आयेगा।

समारोह में बोलते हुए महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने कहां कि यह दीक्षा हमें धरोहर के रूप में प्राप्त हुई है। इससे पोरवाल समाज ही नहीं वरन् पूरा जैन समाज गौरवान्वित हुआ है। इस कलियुग में वैराग्य पथ की ओर अग्रसर होना कोई मामूली घटना नहीं है। इस मार्ग पर अग्रसर होना बहुत कठिन कार्य है। दीक्षार्थी का अभिनन्दन करते हुए कहा कि हमें नाज है,बहुमान करना एक अच्छा रिवाज है। नाहर ने बताया कि 28 वर्षीय रविशा का जन्म 10 अगस्त 1997 में अशोक-कविता पोरवाल के घर अहमदाबाद में हुआ। उन्होंने एम.ए.अंग्रेजी लिटेऊचर करने के बाद बैंगलोर से इंटीरियर डिजाईन का कोर्स कर जॉब भी की। आगामी 8 फरवरी को मुंबई के बोरीवली में होने वाले तिलक समुदाय के दीक्षा समारोह में विजय योग तिलकसुरी महाराज द्वारा दीक्षा ग्रहण कर साध्वी बनेगी। इसी दिन 62 अन्य दीक्षार्थी भी दीक्षा ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम का संचालन आलोक पगारिया ने किया।

इस अवसर पर महामंत्री कुलदीप नाहर, यशवंत जैन, राकेश पोरवाल, अशोक राजनगर वाला, चन्द्र प्रकाश राजनगर वाला, अशोक जैन, नितेश पोरवाल, निर्मल पोरवाल, रवि मुर्डिया, श्रेयांश पोरवाल, उदित शाह, हितेश पोरवाल, यशवंत पोरवाल, अक्षय पगारिया, हिमांशु जैन, सतीश कच्छारा, राजेन्द्र जवेरिया, राजेश जावरिया, डॉ. शैलेन्द्र हिरण, निर्मल राजनगर वाला, राकेश राजनगर वाला सहित कई सकल जैन समाज के सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे।



24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।